an>

Title: Need to construct a new railway line from Chhapra (Saran district) to Chakia (East Champaran district) in Bihar.

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज)ः बिहार राज्य के सारण और चम्पारण जिलों का भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यहाँ के कई व्यक्तियों, मनीषियों एवं नेताओं ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है, जिनका नाम देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। इन्हीं में से एक महापुरूष लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली जिला सारण (छपरा) में मेरा संसदीय क्षेत्र महाराजगंज का दो तिहाई क्षेत्र पड़ता है। इस क्षेत्र का विस्तार उत्तर प्रदेश की सीमा से गोपालगंज एवं चम्पारण जिला की सीमा तक है। चम्पारण जिला तो देश के बापू महात्मा गांधी की कर्मस्थली रही है।

अतः उक्त दोनों स्थलों एवं दोनों महापुरूषों की ऐतिहासिकता एवं योगदान के मद्देनजर यहाँ की जनता के लिए सरकार से अनुरोध है कि लोकनायक की जन्मस्थली जिला सारण के छपरा से जलालपुर, बनियापुर, भगवानपुर, बसंतपुर, मलमलिया, मोहम्मदपुर, डुमरियाघाट, खजुरिया चौक होते हुए महात्मा जी की कर्मस्थली चम्पारण के चकिया तक एक नई रेलवे लाइन बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही किया जाये। इस नई रेल लाइन के बनने से न केवल बिहार के जिलों की जनता को ही रेल यातायात की सुविधा प्रदान की जा सकती है बल्कि इससे नेपाल जैसे पड़ोसी मित्र देश की जनता को भी रेल यातायात की सुगम सुविधा दी जा सकती है। इतना ही नहीं इस नई रेल लाईन के बनने से उत्तर प्रदेश के वाराणसी से बलिया, छपरा होते हुए मोतिहारी, रक्सौल तक की रेल यात्रा में सैकड़ों किलोमीटर की दूरी घट जायेगी। इस दूरी के घटने से संबंधित क्षेत्र के यात्रियों को समय की बचत और आर्थिक बचत भी होगी। वाणिज्यिक दृष्टि से भी रेलवे को लाभ मिलेगा क्योंकि इस नई रेल मार्ग से नेपाल के साथ व्यापारिक संबंधों के तहत माल की ढुलाई भी अधिक से अधिक हो सकेगी तथा रेल यात्रियों की संख्या भी अधिकाधिक होगी क्योंकि इस मार्ग की दूरी कम होगी।